हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 179 देहरादून, बुधवार, 04 जनवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

जी 20 सम्मेलन पर बोले सीएस एस. एस. संधू अपनी बेस्ट परफॉर्मेंस देने की आवश्यकता 3

किसानों, बागवानी तथा छोटे-छोटे उद्योगों में बढ़ेगी आजीविका : सीएम

नाबार्ड द्वारा आयोजित स्टेट क्रेडिट सेमिनार 2023-24 में बोले सीएम धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 4 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नाबार्ड द्वारा आयोजित स्टेट क्रेडिट सेमिनार 2023-24 में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने नाबार्ड द्वारा तैयार किये गये स्टेट फोकस पेपर 2023-24 का विमोचन किया। नाबार्ड द्वारा वर्ष 2023-24 हेतु उत्तराखण्ड राज्य के लिए प्राथमिकता क्षेत्र में 30301 करोड़ रूपये की ऋण संभाव्यता का आंकलन किया गया है। जो विगत वर्ष की तुलना में 6.22 प्रतिशत अधिक है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नाबार्ड का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड में कृषि, बागवानी तथा लघु और मध्यम क्षेत्र के उद्योगों के विकास हेतु इस वर्ष करीब तीस हजार करोड़ रूपये से अधिक की ऋण योजना तैयार की है। जो पिछले साल की तुलना में 6.22 प्रतिशत अधिक है। यह हमारे किसानों, बागवानी तथा छोटे-छोटे उद्योगों में लगे लोगों की आजीविका बढ़ाने में कारगर साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस ऋण व्यवस्था की सही प्रकार से निगरानी एवं पारदर्शिता की आवश्यकता होगी, ताकि जरूरतमंद लोगों को ऋण लेने में कोई परेशानी न हो। आम जन योजनाओं का पूरा लाभ ले सकें। ऋण को सही, जरूरतमंद और योग्य लोगों तक सरलता से पहुंचाने में सबसे बड़ी भूमिका बैंकों की है। बैंकों को ध्यान देना होगा कि जरूरतमंद और योग्य लोगों को ऋण सम्बन्धित औपचारिकताओं के लिए अनावश्यक न भटकना पड़े। इसके लिए बैंकों को मिशन मोड पर काम करना होगा । नाबार्ड की इस ऋण योजना के आवंटन के लिए प्रत्येक बैंक ब्रांच को एक निश्चित टारगेट के साथ काम करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में निवेश और लोन के द्वारा ही विकास और उन्नति संभव है। यह हमारे रिवर्स पलायन मिशन के लिए भी आवश्यक है। सरकार ग्रामीण इलाकों में आधारभूत सुविधाओं, सड़क, कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। इसके लिए नाबार्ड का भी लगातार सहयोग मिलता रहता है। पिछले वर्ष ही नाबार्ड ने उत्तराखण्ड को दस हजार करोड़ रूपये की 4515 परियोजनाओं की मंजूरी दी। इसके लिए उन्होंने नाबार्ड का आभार भी व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य के इंफ्रास्टक्चर को मजबूत और आधुनिकतम बनाने पर लगातार कार्य कर रही है, ताकि राज्य के शहरी इलाकों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी निवेश बढ़े। उन्होंने कहा कि रूद्रप्रयाग, बागेश्वर और टिहरी ऋण की कमी वाले तीन जिलों में ऋण आवंटन बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाय।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बैंको के अलावा राज्य सरकार आम लोगों के लिए भी सब्सिडी, क्रेडिट लिंक्ड योजनाओं और ब्याज अनुदान जैसे योजनाओं को लागू कर रही है। जिसके अंतर्गत वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना, दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों की भौगोलिक परिस्थितियां अलग-अलग है। भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए भी योजनाओं का सही क्रियान्वयन करना होगा।

नाबार्ड द्वारा आयोजित स्टेट क्रेडिट सेमिनार में जानकारी दी गई कि नाबार्ड ने महिलाओं को सशक्त बनाने तथा उनके लिए सतत आजीविका सृजित करने के 91 लघु उद्यमिता विकास कार्यक्रम व 23 आजीविका उद्यमिता विकास कार्यक्रम के माध्यम से 5280 स्वयं सहायता समूह/जेएलजी को प्रशिक्षित कर उन्हें अपना व्यवसाय करने के लिए प्रेरित किया। नाबार्ड राज्य में एफपीओ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है अभी तक कुल 132 एफपीओ (31 सेंट्रल सेक्टर स्कीम सहित) बनाए गये हैं। इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी, सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, नाबार्ड के प्रभारी अधिकारी डॉ. सुमन कुमार, क्षेत्रीय निदेशक आरबीआई लता विश्वनाथ, जनरल मैनेजर सुनील कौशिक, डीजीएम निर्मल कुमार, एसएलबीसी के संयोजक नरेन्द्र रावत, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, बीवीआरसी पुरूषोत्तम, दिलीप जावलकर एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

पिंडकी गांव के एक घर में लगी भीषण आग खतरे की जद में आधा दर्जन मकान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बड़कोट। यमुनोत्री धाम से लगे गीठ पट्टी के पिंडकी गांव में मंगलवार देर रात एक आवासीय मकान में आग लगने से अफरातफरी मच गई।

सूचना मिलने पर पुलिस व अग्नि शमन का दल मौके पर पहुंच गया है। इससे पहले ग्रामीणों के द्वारा आग बुझाने व इसे अन्य मकानों तक फैलने से रोकने का प्रयास किया गया। बताया जा रहा है कि यह आवासीय मकान जय सिंह नामक व्यक्ति का है।

कड़ाके की ठंड के चलते पाइप लाइन में पानी जम जाने से ग्रामीणों को आग बुझाने में

काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। जय सिंह के मकान के पास आधा दर्जन भवनों को ख़तरे की जद में।

जल्द बनेगा पुरकुल और सुवाखोली में बिजलीघर : मंत्री जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 4 जनवरी , कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी विधानसभा क्षेत्र से सम्बन्धित विद्युत विभाग के अधिकारियों की बैठक की।बैठक में मंत्री जोशी ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री जोशी ने कहा सुवाखोली और पुरकुल के बिजली घर का निर्माण कार्य शीघ्र करवाया जाए।

मसूरी विधानसभा क्षेत्र के सभी खड़े-गले खंभों को एक माह के भीतर तत्काल ठीक करने या उनके स्थान पर नए खंभे लगाए जाने के निर्देश भी दिये। मंत्री जोशी ने मसूरी में भूमिगत केब्लिंग का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए। देहरादून के राजपुर क्षेत्र में बिजली घर से की संभावनाओं तलाशने के निर्देश भी दिये। मंत्री जोशी ने कहा जहां ट्रांसफार्मर की आवश्यकता है, वहां

तत्काल टांसफार्मर लगाये जाए। उन्होंने ट्रांसफर लगाने के कार्य और क्षेत्र में थ्री फेस एवं बंच केब्लिंग के कार्य को भी तत्परता से करने के निर्देश भी दिये। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता राहुल जैन, ईई राकेश कुमार, ईई प्रवेश कुमार, एसडीओ केवल सिंह, ई.ई एसडी बिष्ट, पार्षद भूपेंद्र कठेत, पार्षद सत्येंद्र नाथ, संजय नौटियाल, योगेश, कमल थापा, चुन्नीलाल, नंदिनी शर्मा सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

ज्ञान की बात : हिंदू पंचांग का 11वां महीना माघ, जानिए क्यों है ख़ास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 जनवरी , हिंदू पंचांग के अनुसार, एक वर्ष में 12 महीने होते हैं। इन सभी महीनों का अलग-अलग नाम, महत्व व देवता बताए गए हैं। हिंदू पंचांग के 11वें महीने का नाम माघ है। इस बार माघ मास 7 जनवरी से 5 फरवरी तक रहेगा। धर्म ग्रंथों में माघ मास का विशेष महत्व बताया गया है। ये हिंदू पंचांग का 11वां महीना है। इस बार इसकी शुरूआत 7 जनवरी से हो रही है जो 5 फरवरी तक रहेगा। इस महीने में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने और नदी में नहाने का महत्व बताया गया है। कई विशेष व्रत-त्योहार भी इस महीने में मनाए जाते हैं, जिनमें गुप्त नवरात्रि, बसंत पंचमी, मौनी अमावस्या आदि प्रमुख हैं। इस महीने में संगम तट पर 1 महीने तक माघ मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों भक्त वहीं रहकर पूजा-पाठ आदि करते हैं। इसे कल्पवास कहा जाता है। आगे जानिए माघ मास का महत्व...

गंगा स्नान का विशेष महत्व

धर्म ग्रंथों के अनुसार, माघ मास में गंगा स्नान करने का विशेष महत्व है। यही कारण है कि इस महीने में प्रयाग, काशी, नैमिषारण्य, कुरुक्षेत्र, हरिद्वार व अन्य स्थानों पर भक्तों की भीड़ उमड़ती है। मान्यता है कि इस महीने में स्वयं भगवान विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। जिसके चलते गंगा नदी में स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है और पुण्य फलों की प्राप्ति होती है।

सूर्य पूजा भी करें इस महीने में

धर्म ग्रंथों के अनुसार, माघ मास में सूर्यदेव की पूजा भी रोज करनी चाहिए। सुबह जल्दी उठकर स्नान करने के बाद सूर्यदेव को तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं। इस जल में कुमकुम, चावल और लाल फूल

मिलाएं तो और भी शुभ रहता है। संभव हो तो नहाने के पानी में 2 बूंद गंगाजल मिला लें, इससे घर बैठे ही आपको गंगा स्नान का फल मिल सकता है। माघ मास में ही रथ सप्तमी का व्रत किया जाता है, जिसमें सूर्यदेव की पूजा विशेष रूप से की जाती है। इस महीने में जरूरमंदों को दान भी जरूर देना चाहिए। ऐसा करने से जाने-अनजाने में हुए पापों से मुक्ति मिलती है।

माघ मास के प्रमुख व्रत-त्योहार

माघ मास में कई प्रमुख व्रत-त्योहार मनाए जाते हैं। तिल चतुर्थी, रथसप्तमी और भीष्माष्टमी, गुप्त नवरात्रि, बसंत पंचमी आदि। इस महीने में तिल से जुड़े भी कई व्रत किए जाते हैं जैसे- षटतिला एकादशी, तिलकुट चतुर्थी आदि। धर्म ग्रंथों के अनुसार, माघ मास में ही यमराज ने तिल का निर्माण किया और राजा दशरथ ने उन्हें पृथ्वी पर लाकर खेतों में बोया। देवगण ने भगवान विष्णु को तिलों का स्वामी बनाया। इसलिए इस महीने में तिल का उपयोग पूजा आदि में विशेष रूप से किया जाता है।

डेड बॉडी से पैदा की जा रही सब्जियां और फल-फूल, गज़ब की खोज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 जनवरी , न्यूयॉर्क में जगह की कमी के चलते अब मृतकों की डेड बॉडी को खाद में बदलने का नियम लागू हो गया है। न्यूयॉर्क इसी के साथ इस प्रक्रिया को अपनाने वाला अमेरिका का छठवां राज्य बन गया है। यहां किसी भी व्यक्ति की मृत्यु के उपरांत उसके शव को विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजार कर खाद बना दिया जाएगा।घर ले जा सकेंगे डेड बॉडी वाली खादन्यूयॉर्क के तमाम मीडिया हाउस इसे एक बड़ा कदम बता रहे हैं। इस नियम के तहत मृत व्यक्ति का परिवार चाहे तो शव से बनी खाद को अपने साथ ले जाकर बगीचे की मिट्टी में मिला सकता है। या फिर सरकार को दान दे सकता है, जिससे उसे जंगलों में इस्तेमाल किया जा सके। बता दें कि लोगों की डेडबॉडी को खाद बनाने का कानून सबसे पहले अमेरिका के वाशिंगटन में 2019 में बनाया गया था। इसके बाद 2021 में कोलोराडो और ऑरेगन ने 2021 में वर्मोन्ट और कैलिफोर्निया ने 2022 में इसे लागू किया। अब न्यूयॉर्क ने भी इसे अपना लिया है। ऐसे डेड बॉडी को बनाया जाएगा खादडेड बॉडी को खाद में बदलने की इस प्रक्रिया को ह्यूमन कम्पोस्टिंग नाम दिया गया है। इस प्रक्रिया में डेड बॉडी को स्टील के एक सिलेंडरनुमा कंटेनर में रखा जाएगा। इसके बाद बॉडी को ऑर्गेनिक मटेरियल से ढक दिया जाएगा। इनकी मदद से डेड बॉडी तेजी से खाद में तब्दील होने लगेगी। पूरी तरह से खाद बनने में डेडबॉडी को एक महीना लगेगा।एक डेड बॉडी से बनेगी इतनी खादडेड बॉडी को खाद बनाने वाली कंपनी

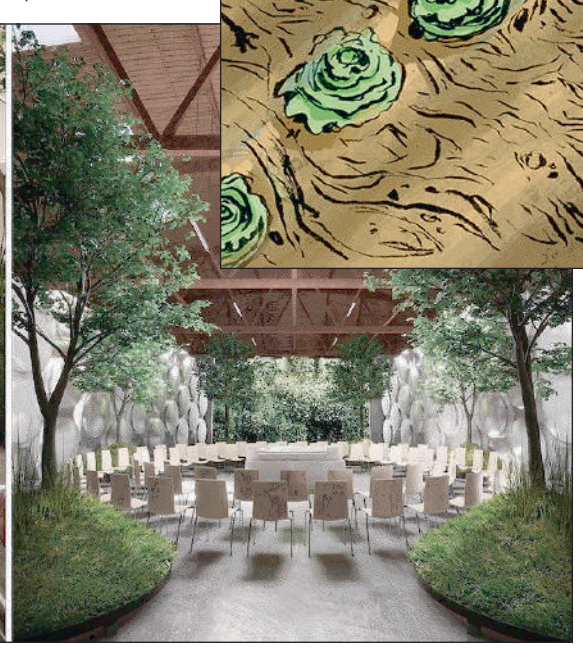

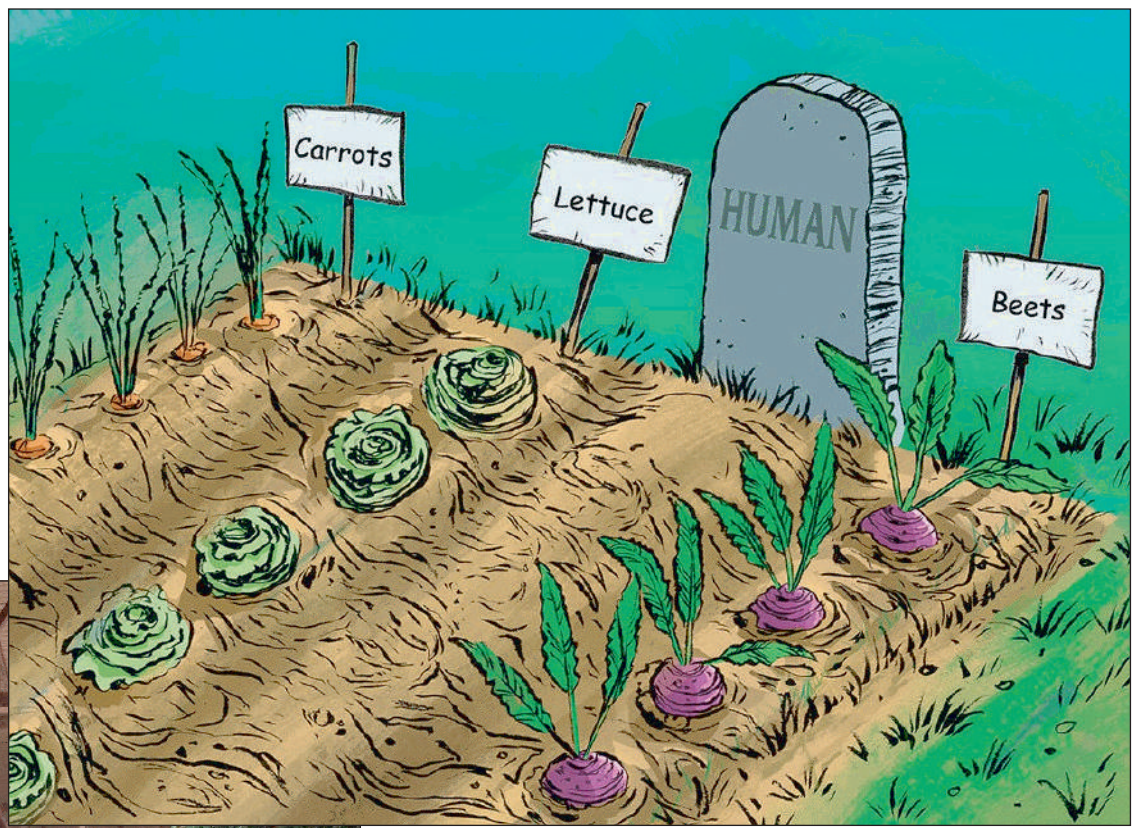

का नाम 'रीकम्पोज' है। कंपनी की ओर से जारी किए गए बयान के मुताबिक एक डेड बॉडी से 36 बैग मिट्टी के बनेंगे। इस प्रक्रिया में दांत और हड्डियां भी मिट्टी बन जाएंगे जबकि किसी व्यक्ति को पारंपरिक तरीके से दफनाने में दांत और हड्डियां इतनी जल्दी डीकंपोज नहीं होते। कंपनी की ओर से कहा गया है कि किसी भी परिवार को मृतक की बॉडी से बनी खाद देने के पहले ये जांच की जाएगी कि उस मिट्टी में कोई हानिकारक पैथोजन न हों।गंभीर बीमारी से मरने वालों के लिए नहीं होगी ये सुविधारीकंपोज कंपनी के मुताबिक टीबी समेत अन्य गंभीर बीमारियों से मरने वाले लोग, या रेडिएशन थेरेपी ले चुके मृतकों के शव को खाद नहीं बनाया जाएगा क्योंकि इससे इंफेक्शन का खतरा रहेगा। रीकंपोज कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अमेरिका के कई राज्यों में अब लोगों को दफनाने की जगह कम पड़ने लगी है, ह्यूमन डीकंपोजिशन इसका सबसे बेहतरीन विकल्प है।

जी 20 सम्मेलन पर बोले सीएस एस. एस. संधू अपनी बेस्ट परफॉर्मेंस देने की आवश्यकता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 4 जनवरी, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने जी-20 शिखर सम्मेलन के तहत देशी-विदेशी प्रतिभागियों द्वारा मई एवं जून 2023 में प्रस्तावित दौरों के सम्बन्ध में बैठक ली। मुख्य सचिव ने कहा कि जी-20 सम्मेलन के दौरान हमारे पास देश-विदेश से आए लोगों के समक्ष अपने प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति को दुनिया के कौने-कौने तक पहुंचाने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर है। इसके लिए हमें अपनी बेस्ट परफॉर्मेंस देने की आवश्यकता है। पर्यटन, संस्कृति, योगा और आयुष हमारी विशेषताएं हैं। प्रदेश के पास इन क्षेत्रों को अधिक से अधिक बढ़ावा देने के लिए एक अच्छा मौका है।

मुख्य सचिव ने कहा कि हर प्रतिभागी के साथ लाइजनिंग ऑफिसर के साथ ही उन्हीं की भाषा का एक गाइड भी उपलब्ध कराया जाए, जो यहां की कोई भी जानकारी उन्हें उपलब्ध करा सके। साथ ही, पर्यटन विभाग उन सभी देशों की भाषा का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करवाए। साथ ही, जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान आने वाले प्रतिभागियों को कार्यक्रम स्थल के पास ही अच्छे योगा अनुदेशकों को भी लगाया जाए ताकि यदि कोई योगा सीखना या समझना चाहे तो उन्हें जानकारी मिल सके।

मुख्य सचिव ने कहा कि सम्मेलन के दौरान आमजन की भागीदारी भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विदेशी प्रतिनिधिमण्डल के रहने खाने एवं सुरक्षा आदि की समुचित व्यवस्था के लिए विदेश मंत्रालय से लगातार सम्पर्क में रहते हुए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। प्रतिनिधिमण्डल के दौरे के दौरान जिन-जिन विभागों की भूमिका रहेगी, उन विभागों द्वारा अपने स्तर पर कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु समितियां भी गठित कर ली जाएं। इस अवसर पर सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, दिलीप जावलकर, सचिन कुर्वे, एडीजी लॉ एंड ऑर्डर वी. मुरुगेशन, सचिव डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, आर. राजेश कुमार एवं विनोद कुमार सुमन सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखंड में बंजी जम्पिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, वाईल्ड लाईफ सफारी, पैरा ग्लाईडिंग का मिलेगा पूरा मज़ा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 4 जनवरी,मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने सचिवालय में पर्यटन विभाग के साथ पर्यटन के क्षेत्र में प्रदेश में भावी सम्भावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। मुख्य सचिव ने सचिव पर्यटन को पर्यटन प्रदेश में आर्थिकी और रोजगार का महत्त्वपूर्ण साधन है। चारधाम यात्रा के साथ ही प्रदेश के पर्यटक स्थल इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सप्ताहांत में पूरे सालभर अधिकतम पर्यटक दिल्ली एनसीआर से आते हैं, और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे बन जाने के बाद जब दिल्ली-एनसीआर के पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, उसके लिए हमें अभी से तैयारियां शुरू करनी होंगी। मुख्य सचिव ने कहा कि इसके लिए हमें पर्यटकों को नए पर्यटक स्थल और नए साहसिक खेलों को शामिल करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि देश-विदेश में अभी पर्यटन के क्षेत्र में क्या-क्या नया हो रहा है, और उन में से उत्तराखण्ड में क्या-क्या किया जा सकता है, इसकी एक लिस्ट तैयार की जाए। प्रदेश में पर्यटन की दृष्टि से यहां की भौगोलिक एवं प्राकृतिक स्थिति के अनुसार पर्यटन गतिविधियों की 02 कैटेगरी तैयार किए जाने के निर्देश दिए, जिसमें कैटेगरी 'ए' में ऐसी गतिविधियों को रखने के निर्देश दिए जिन्हें तुरन्त शुरू किया जा सकता है एवं कैटेगरी 'बी' में ऐसे गतिविधियां रखी जाएं जिन्हें शुरू किए जाने के लिए पहले कई प्रकार के कार्य किए जाने हैं। प्रदेश में हाई-एंड टूरिस्म को बढ़ावा देने के लिए सम्भावनाएं तलाशी जाएं।

फाईव स्टार होटल और रिजॉर्ट्स के क्षेत्र में प्राईवेट क्षेत्र को आकृषित किए जाने के लिए कार्य किया जाए। प्रदेश के शुद्ध वातावरण में ऐस्ट्रॉ विलेज की भी काफी सम्भावनाएं हैं। प्रदेश भर में इसके लिए 5, 10 जगहें चिन्हित कर इसे शीघ्र शुरू किया जाना चाहिए। मुख्य सचिव ने कहा कि वाटर स्पोर्ट्स में प्रदेश में अत्यधिक सम्भावनाएं हैं। दिल्ली एनसीआर से अधिकतर पर्यटक राफ्टिंग एवं क्याकिंग आदि साहसिक खेलों के कारण वर्षभर उत्तराखण्ड आते हैं। टिहरी झील में वाटर बाईकिंग, पैरासेलिंग, आदि को तुरन्त शामिल किया जा सकता है। बंजी जम्पिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, वाईल्ड लाईफ सफारी, पैरा ग्लाईडिंग आदि जैसी तुरन्त शुरू की जा सकने वाली गतिविधियों को तुरन्त शुरू कर लिया जाए। इसके लिए प्राईवेट क्षेत्र से आने वाले लोगों को इंटरेस्ट सबवेंशन देकर बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की खूबसूरती को दिखाने के लिए हैलीकॉप्टर, हॉट एयर बलून आदि से प्रदेश के विभिन्न खूबसूरत पर्यटन स्थलों की एरियल व्यू की व्यवस्था की जा सकती है। इसके लिए ऋषिकेश हरिद्वार जैसी जगह पर लंडन आई (London Eye) जैसी संरचनाओं पर भी विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने पर्यटन विभाग को बड़े शहरों में 5 से 10 जगहों पर स्केटिंग रिंग, आईस हॉकी, लाईट एंड साउंड शॉ आदि के लिए व्यवस्थाएं किए जाने के भी निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि इन गतिविधियों के शुरू होने के लिए प्रशिक्षित लोगों की भी आवश्यकता होगी। इसके लिए पर्यटन विभाग को प्रशिक्षण कार्यक्रमों को भी संचालित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को प्रदेश में होने वाली समस्त पर्यटन गतिविधियों की जानकारी एक जगह मिल सके इसके लिए पोर्टल को लगातार अपडेट किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा दिए जाने के लिए बजट की कमी नहीं होने दी जाएगी। यदि पॉलिसी में कुछ परिवर्तन करने की आवश्यकता होगी, वह भी किया जाएगा, ताकि प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा मिले और यहां के युवाओं को रोजगार मिले।इस अवसर पर सचिव पर्यटन सचिन कुर्वे सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी में प्रतिभाग करेंगे शिक्षा मंत्री डा0 रावत

राष्ट्रपति करेंगी 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का उद्घाटन, पीएम करेंगे समापन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सूबे के शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत राजस्थान के पाली में आयोजित राष्ट्रीय स्काउट्स गाइड्स जम्बूरी में प्रतिभाग कर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनके साथ प्रदेश से 500 से अधिक स्काउट्स-गाइड्स, रोवर-रेंजर्स व विभागीय अधिकारी भी राष्ट्रीय जम्बूरी में प्रतिभाग करेंगे। 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइउ जम्बूरी का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू तथा समापन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा किया जायेगा। प्रोग्रेस विद पीस की थीम के साथ यह कार्यक्रम 04 से 10 जनवरी तक आयोजित होगा। राजस्थान रवाना होने से पहले सूबे के शिक्षा मंत्री एवं स्काउट गाइड्स के स्टेट प्रेजिडेंट डॉ0 धन सिंह रावत ने बताया कि राजस्थान के पाली में 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी आयोजित हो रही है। 4 से 10 जनवरी तक आयोजित होने वाली राष्ट्रीय जम्बूरी का उद्घाटन राष्ट्रपति दौपदी मुर्मू करेंगी जबकि समारोह का समापन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा किया जायेगा। उन्होंने बताया कि जम्बूरी में देशभर से करीब 35 हजार स्काउट गाइड भाग लेंगे। जिसमें उत्तराखंड से 500 से अधिक स्काउट गाइड्स, रोवर रेंजर्स व विभागीय अधिकारी शामिल हो रहे हैं। इसके अलावा जम्बूरी में

■ राजस्थान में जुटेंगे देश-विदेश के 35 हजार से अधिक स्काउट्स एंड गाइड्स

मलेशिया, सिंगापुर, यूएई, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भूटान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, मालद्वीव सहित कई देशों के स्काउट-गाइड्स व छात्र-छात्राएं भी प्रतिभाग करेंगी। डॉ0 रावत ने बताया कि 9 वर्ग किमी क्षेत्र में स्थापित जम्बूरी ग्राम में स्काउट एंड गाइड्स के लिये सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि जम्बूरी में स्काउट एंड गाइड्स द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा, साथ ही व्यक्तिगत एवं सामूहिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन होगा, जिसमें स्काउट्स एंड गाइड्स भाग लेकर ग्रेड प्राप्त करेंगे। प्रतियोगिताओं में रॉक क्लाविंग, नौकायान, आरचरी, पैराग्लाइडिंग, ड्राइंग, पेंटिंग सहित मार्च पास्ट, गणवेश, कलर पार्टी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फूट प्लाजा, गेट निर्माण, स्किलोरामा, हैम रेडियो, पायनियरिंग प्रोजेक्ट शामिल है। इसके अलावा वायु सेना द्वारा एयर शो आयोजित किये जायेंगे जबकि बीएसएफ द्वारा ऊंट समारोह का विशेष प्रदर्शन किया जायेगा।

उत्तराखंड एक और में शाहीन बाग़, सर्दी में गर्म हुआ मुद्दा

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे सलमान खुर्शीद और कांग्रेस , सुनवाई 5 जनवरी को

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 4 जनवरी , उत्तराखंड के बड़े खबर निकल कर अब दिल्ली पहुँच गयी है। सड़क का हंगामा अब कोर्ट की चौकट पर दस्तक दे चुका है। गफूर बस्ती के हंगामे में औरतों और बच्चों को प्रदर्शन का सबसे पहला हथ्यार बनाया गया है। सड़क गली और चौराहे पर ज़ोरदार विरोध प्रदर्शन हो रहा है और सड़कों पर उतर कर लोग सरकार से उन्हें बेघर न करने की मांग कर रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि यह जमीन रेलवे की है और इस पर अवैध कब्जा कर गफूर बस्ती को बसाया गया है। इस अतिक्रमण को हटाने के लिए हाईकोर्ट से आदेश आने के बाद यहां बस्तीवासी धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी प्रशासन पर आरोप लगा रहे हैं कि कड़ाके की सर्दी के बीच उन्हें बेघर किया जा रहा है। इनकी मांग है कि प्रशासन अतिक्रमण हटाने से पहले उनका विस्थापन करके कहीं और बसाए। फिलहाल, प्रशासन ने 10 जनवरी तक के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई रोक दी है। प्रशासन का कहना है कि रेलवे की जमीन पर लगभग 4500 परिवारों ने अतिक्रमण कर रखा है। अब जब गफूर बस्ती से यह अतिक्रमण हटाया जा रहा है तो ये लोग बेघर होने की दुहाई दे रहे हैं। सड़कों पर उतर कर धरना दे रहे हैं, दुआएं कर रहे हैं।' यह पूरा घटनाक्रम सोशल मीडिया पर भी जोरशोर से चलाया जा रहा है। इसकी वजह से तनाव का माहौल बन रहा है। इनमें ज्यादातर वीडियो में लड़कियों को पढ़ाई से वंचित किए जाने और महिलाओं को बेघर होने की दुहाई देते सुना जा सकता है। हाईकोर्ट के आदेश पर जिला प्रशासन ने पिछले दिन कुछ जगह अतिक्रमण हटाया था। लेकिन अब भारी विरोध को देखते हुए अभियान को रोक दिया। अब 10 जनवरी से भारी पुलिस बल के साथ अतिक्रमण हटाया जाएगा।

हाईकोर्ट ने दिया था अतिक्रमण हटाने का आदेश

27 दिसम्बर 2022 को उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हल्द्वानी के वनभूलपुरा क्षेत्र में स्थित गफूर बस्ती में रेलवे की भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाने के आदेश जारी किए थे। एक सप्ताह के भीतर यह अतिक्रमण हटाने की समयावधि भी निर्धारित की थी। साथ ही वनभूलपुरा के लोगों को लाइसेंसी हथियार भी जमा कराने को कहा गया है। दिसंबर 2021 में सुप्रीम कोर्ट भी रेलवे की जमीनों पर अतिक्रमण को ले कर चिंता जताते हुए इसे जल्द से जल्द खाली करवाने के आदेश दे चुका है।

दावा किया जा रहा है कि क्षेत्र में रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जे की शुरुआत साल 1975 से हुई थी। इस जमीन पर कब्जा करने के लिए पहले यहां कच्ची झुग्गियां बनाई गईं थी जिन्हें बाद में पक्के मकान में तब्दील कर दिया गया। इसी तरह से धीरे-धीरे इबादतगाहों और अस्पतालों के रूप में अवैध कब्जे किए गए। लेकिन जब ये कब्जे हो रहे थे तब रेलवे प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया। जब जम कर कब्जे हो गये तो वर्ष 2016 में नैनीताल हाईकोर्ट से सख्ती के बाद रेलवे सुरक्षा बल ने अवैध कब्जेदारों के खिलाफ केस दर्ज कराया लेकिन तब तक हजारों लोग अवैध तौर पर वहां बस चुके थे।

पहले भी हटाए गए थे कब्जे

वर्ष 2016 में नैनीताल हाईकोर्ट के आदेश के चलते यहां कब्जा कर जमे लोगों ने मुकदमा लड़ा लेकिन वे कोर्ट में कब्जे को लेकर कोई ठोस सबूत नहीं दे पाए। डेढ़ दशक पहले भी अवैध कब्जेदारों के खिलाफ अभियान चलाया गया था। उस समय भारी फ़ोर्स तैनात कर कुछ हिस्से से अतिक्रमण हटवाया गया था। बताया जा रहा है कि इस दौरान कुछ कब्जेदारों के घरों के नीचे रेलवे लाइनें भी निकली थीं। हालांकि भारी विरोध के चलते तब यह अभियान शांत हो गया था। और जो जगह खाली कराई गई थी वहां फिर से कब्जे हो गये।

कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश भी हुए मुखर

गफूर बस्ती में अवैध कब्जे हटाने के विरोध में जहां समुदाय विशेष के लोग सड़कों पर उतर आए हैं वहीं विपक्ष कांग्रेस भी इस मुद्दे को भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। पहले जहां दिवंगत कांग्रेस नेत्री इंदिरा हृदयेश ने इन कब्जेदारों का साथ दिया था वहीं अब उनकी विरासत संभाल रहे उनके बेटे सुमित हृदयेश भी इस मामले में कब्जेदारों के साथ खड़े हैं। क्षेत्र में अवैध कब्जों को हटाने के मामले में रेलवे की ओर से तर्क दिया जा रहा है कि अवैध कब्ज़े से न सिर्फ विकास में दिक्कत आ रही बल्कि विस्तार भी प्रभावित हो रहा है। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से पहले अतिक्रमण करने वालों को कई नोटिस भेजे गए थे लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं आया और न ही किसी ने खुद से अतिक्रमण हटाया।

फ्रंट पर आये कांग्रेस लीडर क़ाज़ी निज़ामुद्दीन

पूर्व विधायक काजी निजामुद्दीन ने कहा कि पहले यह जमीन 29 एकड़ बताई गई थी लेकिन बाद में 79 एकड़ बता दी गई। गफूर बस्ती में साठ साल से भी अधिक समय से मंदिर, ओवरहेड टैंक, शिशु मंदिर और सीवर लाइन हैं। यदि यह रेलवे की जमीन है तो यहां ओवरहेड टैंक और सीवर लाइन कैसे बना दी गई? यहां जमीन का बैनामा किया गया तो सरकार ने रेवेन्यू कैसे ले लिया? क्या तब यह रेलवे की जमीन नहीं थी? यहां वक्फ बोर्ड की संपत्ति भी है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को इन लोगों के पुनर्वास के लिए कदम उठाने होंगे। इनके प्रति मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उनको बेघर न किया जाए। कब्जे हटाने के विरोध में हल्द्वानी से कांग्रेस विधायक व अन्य दस लोगों ने सुप्रीम कोर्ट का रूख किया है। वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने कोर्ट में याचिका दाखिल की है। जिस पर पांच जनवरी को सुनवाई होनी है।

गंगोत्री-यमुनोत्री और हर्षिल में बर्फबारी, मुनस्यारी में -4 तो चकराता में -3 डिग्री पहुंचा तापमान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मौसम के बदले मिजाज के साथ गंगोत्री धाम सहित हर्षिल घाटी में बर्फबारी हुई। उधर, यमुनोत्री धाम में भी सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। बर्फबारी होने से स्थानीय ग्रामीणों के साथ सेब काश्तकारों के चेहरे भी खिले हैं। दरअसल, इस सीजन में लोग बारिश-बर्फबारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। बर्फबारी नहीं होने से खासकर सेब काश्तकार चिंतित थे। हालांकि बीते 24 दिसंबर को हर्षिल में बर्फबारी हुई थी लेकिन कम होने से ज्यादा फायदा नहीं हुआ।

मंगलवार शाम को गंगोत्री धाम के साथ हर्षिल घाटी में बर्फबारी हुई। वहीं टकनौर क्षेत्रके ग्राम रैथल में भी हल्की बर्फ गिरी। क्षेत्र के माधवेंद्र रावत, मोहन राणा आदि ने बताया कि बर्फबारी होती है तो इससे खेती को पर्याप्त नमी मिलेगी। साथ ही सेब के पेड़ों को भी शीतमान मिलने से लाभ होगा। उधर, यमुनोत्री धाम में दोपहर बाद सीजन की पहली बर्फबारी हुई जिससे बड़कोट तहसील क्षेत्र में दोपहर बाद ठंडी हवा के साथ कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है।

वहीं, मुनस्यारी में माइनस चार डिग्री तापमान पहुंचने के बावजूद अब तक अलाव नहीं जल पाए हैं जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले वर्षों तक ठंड शुरू होते ही मुनस्यारी बस स्टेशन, हॉस्पिटल गेट, शास्त्री चौक, स्टेट बैंक के पास स्थानीय प्रशासन की ओर से अलाव जलाए जाते थे। इस बार अब तक बाजार में अलाव नहीं जल रहे हैं।

उधर, चकराता में न्यूनतम तापमान - 3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कड़ाके की ठंड के चलते ऊंचाई वाले इलाकों में बसे गांव लोखंडी, लोहारी, उदांवा, खाटुवा, बनियाना, इंद्रोली आदि के लोगों ने पशुओं समेत निचले इलाकों में बनी छानियों का रुख करना शुरू कर दिया है।

हर्षिल में बर्फबारी - फोटो : अमर उजाला

नए साल का जश्न मनाकर अधिकांश पर्यटक लौट चुके हैं। सर्दी से बचने के लिए लोग अलाव, अंगीठी, हीटर आदि का सहारा लेते नजर आए। चकराता में मंगलवार को न्यूनतम तापमान - 3 और अधिकतर तापमान सात डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार की सुबह जब लोगों की आंख खुले तो क्षेत्र कोहरे की चादर में घिरा नजर आया। जिसके चलते सुबह के समय लोगों का आवागमन भी कम रहा। सुबह 10 बजे के बाद धूप निकलने पर कोहरे की चादर छंटी, जिसके बाद लोगों को सर्दी से राहत मिली। हालांकि दिनभर सर्द हवाओं का दौर जारी रहा।

आपकी उम्र है 30 से पार तो साल में 2 बार ज़रूर कराएं ये 4 टेस्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 जनवरी , किसी भी बीमारी से बचने के लिए बहुत जरूरी है हेल्थ को लेकर सजग रहना। स्क्रीनिंग टेस्ट के जरिए लक्षण दिखने से पहले अपनी स्वास्थ्य स्थिति का पता लगा सकते हैं। 30 के पार वाले इंसान को तो टेस्ट जरूर करना चाहिए। तो चलिए इंटरनेशनल वेलनेस डे 2023 पर 5 टेस्ट के बारे में बताते हैं जिसे साल में दो बार जरूर कराने चाहिए।उम्र के 20 साल में हर इंसान अपने हेल्थ को लेकर बेपरवाह होता है, लेकिन 30 के दशक में बदलाव का मौसम शुरू हो जाता है।

काम और फैमिली की जिम्मेदारी की वजह से लोग अपने हेल्थ की देखभाल के लिए वक्त नहीं दे पाते हैं। जिसकी वजह से धीरे-धीरे कई तरह की सेहत से जुड़ी समस्याएं सामने आने लगती है। जिसमें मेटाबॉलिज्म का धीमा होना, वजन का बढ़ना, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रोल, डायबिटीज , कैंसर जैसी कई समस्याएं सामने आती हैं। हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि 30 की उम्र के पार भले ही आप खुद को हेल्दी महसूस करते हों, लेकिन आपको नियमति जांच जरूर करानी चाहिए। डॉक्टर के पास ये विजिट आपको भविष्य में होने वाली हेल्थ इश्यू से बचाएगी। इसलिए अंतराष्ट्रीय कल्याण दिवस 2023 (International Wellness Day 2023) पर कुछ टेस्ट की लिस्ट हम बताने जा रहे हैं जिसे साल में दो बार जरूर कराने चाहिए।

1.ब्लड प्रेशर स्क्रीनिंग

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक हर छह महीने में कम से कम एक बार ब्लड प्रेशर की जांच जरूर करानी चाहिए।-आपका ब्लड प्रेशर

नॉर्मल रेंज में नहीं हैं (हाई नंबर 120 से 129 mm Hg है या लो नंबर 70 से 79 mm Hg) है।-आपके फैमिली में किसी को ब्लड प्रेशर की शिकायत है-प्रेग्नेंसी के दौरान हाई ब्लड प्रेशर हो आपको-मोटापा या डायबिटीज अगर है तो ब्लड प्रेशर की स्क्रीनिंग जरूर करानी चाहिए। यह दिल से जुड़ी बीमारी को पैदा कर सकती है।

2.कंप्लीट ब्लड काउंट

कंप्लीट ब्लड काउंट का टेस्ट भी साल में दो बार कराना चाहिए। इसके कराने से एनीमिया, संक्रमण , कुछ प्रकार के कैंसर का भी पता लगाया जा सकता है। यह टेस्ट महिलाओं के लिए बहुत जरूरी होता है। क्योंकि वे आयरन की कमी से पीड़ित होती हैं और उन्हें सप्लीमेंट की जरूत पड़ती है। अगर सीबीसी ठीक है तो साल में एक बार टेस्ट कराना चाहिए। अगर सीबीसी (Complete blood count) में कुछ दिक्कत है दो साल में दो बार टेस्ट कराएं।

3.ब्लड शुगर टेस्ट

ब्लड शुगर टेस्ट 30 के बार वाले लोगों को जरूर कराना चाहिए। 12 घंटे के उपवास के बाद इसे किया जाता है। जिससे डायबिटीज का पता लगाया जा सकात है। अगर रीडिंग < 99 है तो ब्लड शुगर नॉर्मल है। अगर यह 100 से 100 के बीच है तो यह प्री डायबिटीज है और 110 के ऊपर होने पर डायबिटीज के संकेत हैं। प्री डायबिटीज और डायबिटीज के मामलों में अतिरिक्त टेस्ट एचबीए1सी (HbA1C) कराया जाता है जो पिछले तीन महीनों में औसत ब्लड शुगर के लेबल को बताता है। अगर रीडिंग सामान्य हैं तो आपका डॉक्टर साल में एक बार टेस्ट कराने की सिफारिश करता है।

4.महिलाओं के लिए ब्रेस्ट कैंसर की जांच जरूरी

ज्यादातर महिलाओं के लिए ब्रेस्ट कैंसर का हाई जोखिम 30 की उम्र के बाद शुरू होता है। इसलिए उन्हें नियमित रूप से एमआरआई और मैमोग्राम के साथ स्क्रीनिंग शुरू करनी चाहिए। अगर आपको ब्रेस्ट कैंसर का जोखिम है तो ज्यादा टेस्ट कराने के लिए डॉक्टर कहते हैं। अगर आपकी फैमिली में ब्रेस्ट कैंसर का इतिहास है तो महिलाओं को कोताही बिल्कुल नहीं बरतनी चाहिए।

क्या आप जानते हैं कोहरे के चलते लेट हुई ट्रेन तो रेलवे देगा मुफ्त खाना ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 जनवरी उत्तर भारत समेत पूरे देश में इस समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। तेज सर्दी कोहरे और धुंध की वजह से कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ रहा है। बता दें कि अगर राजधानी, शताब्दी और दूरंतो जैसी प्रीमियम ट्रेनें 3 घंटे से ज्यादा लेट होती हैं तो रेलवे (IRCTC) की तरफ से यात्रियों को मुफ्त खाना भी दिया जाता है। उत्तर भारत समेत पूरे देश में इस समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। तेज सर्दी कोहरे और धुंध की वजह से कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ रहा है। ऐसे में अगर आप भी सफर करने वाले हैं तो यात्रा पर निकलने से पहले एक बार अपनी ट्रेन का स्टेटस जरूर चेक कर लें। वैसे, अगर ट्रेन लेट चल रही है तो इसकी जानकारी खुद रेलवे मोबाइल पर भेजता है। अगर राजधानी, शताब्दी और दूरंतो जैसी प्रीमियम ट्रेनें 3 घंटे से ज्यादा लेट होती हैं तो

रेलवे (IRCTC) की तरफ से यात्रियों को मुफ्त खाना भी दिया जाता है।

कोहरे के चलते लेट हुई ट्रेन तो मिलेगा रिफंड :

बता दें कि अगर कोहरे या फिर धुंध के चलते कोई ट्रेन 3 घंटे से ज्यादा लेट होती है तो ऐसी स्थिति में यात्री को टिकट कैंसिल करने पर रेलवे द्वारा पूरा रिफंड दिया जाता है। बता दें कि ये फैसेलिटी कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों के साथ ही वो लोग भी उठा सकते हैं, जिनका टिकट RAC या फिर वेटिंग में है। पहले यह सुविधा सिर्फ काउंटर से टिकट लेने वालों को थी, लेकिन अब ऑनलाइन टिकट पर भी इसे लागू कर दिया गया है।

3 घंटे से ज्यादा लेट है ट्रेन तो ऐसे पाएं रिफंड :

बता दें कि अगर आपकी ट्रेन 3 घंटे से ज्यादा लेट है तो आप टिकट कैंसिल करा पूरा रिफंड ले सकते हैं। उसके लिए आपको कुछ आसान स्टेप्स फॉलो करनी होंगी।

स्टेप 1 - अगर आपने काउंटर से टिकट लिया है, तो इसके लिए कैश काउंटर पर टिकट कैंसिल कराते ही आपको अपना पूरा रिफंड मिल जाएगा। स्टेप 2 - अगर किसी ने काउंटर से टिकट लिया है, लेकिन उसने UPI या फिर डिजिटल माध्यम से पेमेंट किया है, तो उसका पैसा ऑनलाइन खाते में ही रिफंड होगा। स्टेप 3 - अगर आपने टिकट ऑनलाइन बुक किया है, तो आपको उसे वहीं जाकर कैंसिल करना होगा। इसके बाद डिपॉजिट रिसीप्ट फॉर्म ऑनलाइन भरके पूरा रिफंड ले सकते हैं। हालांकि, अगर आपके टिकट कैंसिल करने की वजह पर्सनल है, तो फिर कैंसिल करने पर रेलवे द्वारा लागू कैंसिलेशन चार्ज कट जाएगा।

अगर आपकी ट्रेन छूट गई तो भी मिलेगा पैसा :

मान लीजिए कि किसी कारणवश आपकी ट्रेन छूट गई तो भी आप पूरा पैसा वापस पाने के हकदार हैं। इसके लिए आपको ट्रेन निकलने के एक घंटे के भीतर टीडीआर फॉर्म भरना होगा। यह ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से भरा जा सकता है। इसे जमा करने के बाद आपको करीब 60 दिनों के अंदर पूरा पैसा वापस मिल जाएगा।

दून में प्लास्टिक वेस्ट मैटेरियल से हुआ तैयार देश का पहला रनिंग ट्रैक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 जनवरी , देवभूमि के नाम एक और शानदार उपलब्धि जुड़ने वाली है। जी हाँ आने वाली 14 जनवरी को देश को मिल जायेगा पहला अनोखा रनिंग तारिक , जी हाँ अनोखा इसलिए क्योंकि ये बना है सौ फीसद प्लास्टिक वेस्ट से , इसके बारे में आपको बता दें कि भारतीय सेना देहरादून के महिंद्रा ग्राउंड में देश का पहला ऑल एज ऑल वेदर रनिंग ट्रैक बनवा रही है। जिसका उद्घाटन 14 जनवरी को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। रनिंग ट्रैक का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। इसके अलावा रक्षामंत्री प्रदेश के पहले वार मेमोरियल का भी उद्घाटन करेंगे। जिसका निर्माण कैंट क्षेत्र चीड़बाग में हो रहा है। रनिंग ट्रैक का निर्माण गढ़ी कैंट क्षेत्र जसवंत सिंह ग्राउंड (महिंद्रा ग्राउंड) में हो रहा है। उत्तराखंड सब एरिया से मिली जानकारी के अनुसार इस ट्रैक में सिर्फ और सिर्फ प्लास्टिक वेस्ट मैटेरियल का इस्तेमाल किया जा रहा है।

ट्रैक से होगा युवाओं को सबसे ज्यादा फायदा

रनिंग ट्रैक को आधुनिक तरीके से बनाया

जा रहा है ताकि सभी आयु के लोग आसानी से गर्मी, सर्दी और बरसात में इसका इस्तेमाल कर सकें। इसका सबसे ज्यादा फायदा युवाओं को होगा। बरसात में अक्सर बारिश के चलते वे अभ्यास नहीं कर पाते। इस ट्रैक पर रोजाना अभ्यास कर सकेंगे। इस ग्राउंड में मैराथन के साथ ही अन्य आयोजन भी होंगे। ट्रैक के किनारे डिस्प्ले लगाने की योजना है ताकि दौड़ते समय पता चल सके कि कितनी दौड़ लगा ली है। डिस्पले के माध्यम से युवाओं को जागरूक करने का भी प्रयास किया जाएगा ताकि वे अच्छी दौड़ कर सकें। ग्राउंड में चारों तरफ से सोलर लाइट लगाने की भी योजना है।

बीवी से इतना प्यार तो एक हिंदुस्तानी ही कर सकता है, जूनून तो देखिये हुज़ूर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 जनवरी , 65 वर्षीय तपस शांडिल्य की पत्नी की मौत कोरोना की दूसरी लहर के दौरान हो गई थी। इसके बाद से तपस बिलकुल अकेले पड़ गए थे। लोग अपने प्यार के लिए क्या कुछ नहीं करते और जब जीवनसाथी हमेशा के लिए दूर चला जाए तो उसकी कमी पूरा करना नामुमकिन हो जाता है। पर कोलकाता के तपस शांडिल्य ने पत्नी की मौत के बाद भी उन्हें कुछ इस तरह अपने बीच जीवित रखा है, जो पूरे देश में चर्चा का विषय है। उनकी पत्नी आज भी घर में अपनी पसंदीदा जगह पर झूले में बैठी नजर आती हैं। इतना ही नहीं उनकी पत्नी अपनी पसंदीदा सिल्क साड़ी और सोने के आभूषणों के साथ ऐसी लगती हैं कि बस अब बोल ही पड़ेंगी। आइए जानें ये सब कैसे हुआ...

प्यार को जीवित रखने का जूनून देखिये : मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 65 वर्षीय तपस शांडिल्य की पत्नी की मौत कोरोना की दूसरी लहर के दौरान हो गई थी। इसके बाद से तपस बिलकुल अकेले पड़ गए थे। वे इस गम उबरने की काफी कोशिश करते रहे, इसी बीच उन्होंने पत्नी का सिलिकॉन स्टैच्यू बनवाने का फैसला

लिया। उन्होंने इसके लिए सिलिकॉन स्टैच्यू बनाने वाले जानेमाने आर्टिस्ट को ऑर्डर दिया, इसके बाद उनकी पत्नी इंद्राणी शांडिल्य के हूबहु व जीवंत दिखने वाले स्टैच्यू को 6 महीने की कड़ी मेहनत के बाद पूरा कर लिया गया।

तपस ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में बताया कि कैसे उन्हें पत्नी का स्टेच्यु बनवाने की प्रेरणा मिली। उन्होंने बताया कि लगभग 10 साल पहले वे अपनी पत्नी के साथ मायापुर के इस्कॉन मंदिर गए थे। वहां उन्होंने भक्तिवेदांत स्वामी की जीवंत प्रतिमा देखी थी। वे दोनों उस प्रतिमा को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए थे। इसके बाद तपस की पत्नी इंद्राणी ने उनसे मजाक में कहा था कि अगर मेरी मौत कभी तुमसे पहले हो जाए, तो मेरी भी ऐसी स्टैच्यू बनवा देना। 4 मई 2021 को इंद्राणी की मौत हो गई, जिसके बाद उनके पति ने इसे उनकी इच्छा मानते हुए पूरा कर दिया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इस स्टैच्यू को जानेमाने आर्टिस्ट सुबिमल दास ने बनाया है। सुबिमल ने बताया कि उन्होंने लोगों के कई सिलिकॉन स्टैच्यू बनाए हैं पर इंद्राणी शांडिल्य का स्टैच्यू बनाना काफी चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने बताया कि जीवंत दिखने के लिए उनके फेशियल एक्सप्रेशन पर काफी काम करना पड़ा। इसके लिए तपस ने अपनी पत्नी की दर्जनों फोटो उपलब्ध कराई, जिन्हें देख-देखकर उनके चेहरे के भाव को तय किया गया और फिर स्टैच्यू को अंतिम स्वरूप दिया गया। ये स्टैच्यु लगभग 30 किलो का है और कोलकाता के वीआईपी रोड स्थित तपस शांडिल्स के घर में आकर्षण का केंद्र भी है। बता दें कि इस स्टैच्यू को बनवाने में तपस शांडिल्स ने कुल ढाई लाख रु खर्च किए।

भारत में बढ़ रही बच्चों में अंधेपन की समस्या, जानें क्या हैं इसके कारण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 जनवरी , आपको ये खबर चौंका सकती है। लेकिन समय रहते अगर आपने इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया तो नतीजा बहुत नुकसानदेह हो सकता है। रिपोर्ट कहती है कि देश में जन्म के समय से ही बच्चों में अंधेपन की समस्या बढ़ रही है, आइये आपको बताते हैं इस समस्या के कारण और बचाव के उपाय के बारे में।

भारत में बढ़ती आबादी के साथ-साथ इसकी वजह से लोगों की परेशानियां भी बढ़ रही हैं। बढ़ती आबादी के खतरे को देखते हुए दुनियाभर में जनसंख्या नियंत्रण के तमाम प्रयास अपनाए जा रहे हैं। जनसंख्या बढ़ने के साथ ही लोगों में जन्म के समय से ही होने वाली समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। कुछ समय पहले प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020 के शुरुआत में पूरी दुनिया में लगभग 400,000 बच्चों का जन्म हुआ जिनमें से भारत में जन्में 67,385 बच्चों में जन्म के समय से ही अंधेपन की समस्या थी। ये आंकड़े अपने आप में चौंकाने वाले हैं।

रिसर्चगेट पर भारत में तेजी से बढ़ रहे बच्चों में अंधेपन की समस्या को लेकर प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में जन्म के समय से ही बच्चों में अंधेपन और नजर से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं और इसके पीछे खानपान और पोषण जैसे कारक भी जिम्मेदार हैं। एक अनुमान के मुताबिक भारत में ब्लाइंड बच्चों की संख्या लगभग 2 मिलियन के आसपास है। ज्यादातर बच्चों में यह समस्या पोषण की कमी और सामान्य स्वास्थ्य कारणों की वजह से हो रही है। आइये विस्तार से जानते हैं भारत में बच्चों में बढ़ रही अंधेपन की

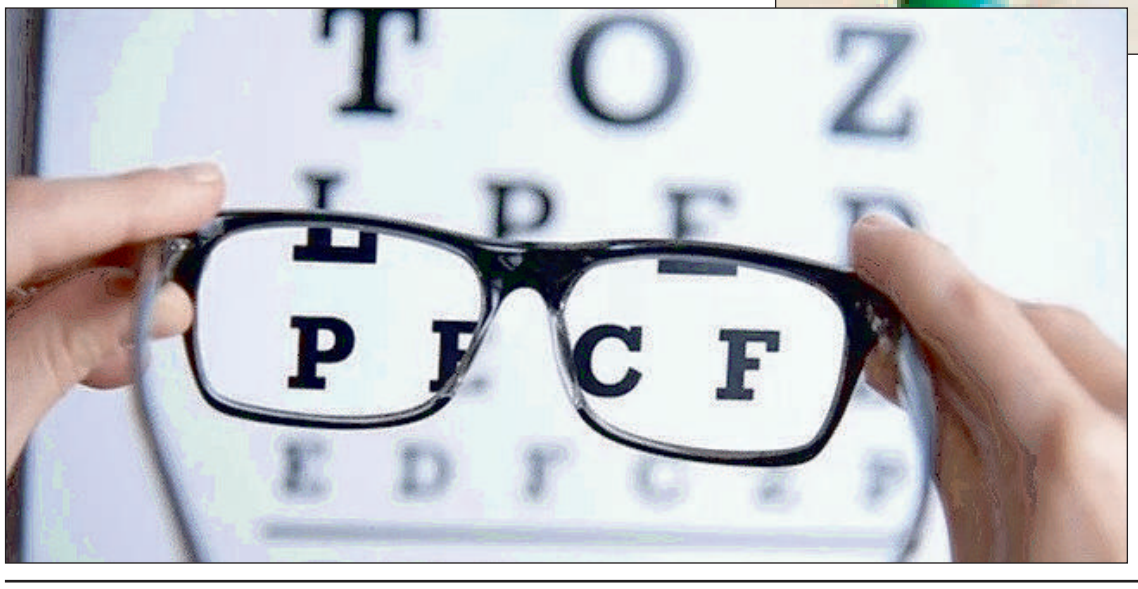

समस्या के प्रमुख कारण और इससे बचाव के उपाय के बारे में।

चाइल्डहुड ब्लाइंडनेस या बच्चों में जन्म के समय से अंधेपन की समस्या के आंकड़े लगातार बढ़ रहे हैं। भारत में जन्म के समय से ही बच्चों में अंधेपन की समस्या होने की सबसे प्रमुख वजह गर्भवती मां का पोषण और उसकी जीवनशैली की भी माना जाता है। इसके अलावा कॉर्नियल क्लाउडिंग, स्कारिंग या डैमेज भी बच्चों को जन्म से ही अंधा बनाने के प्रमुख कारण हैं। कुछ समय पहले भारत के बच्चों में जन्म के समय से ही अंधेपन की समस्या को लेकर प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक जन्म के समय से बच्चों में आंखों से जुड़ी समस्या या अंधेपन का एक प्रमुख कारण रिफ्रैक्टिव एरर्स की समस्या भी होती है। बच्चों में जन्म के समय से ही अंधेपन की समस्या के प्रमुख कारण इस प्रकार से हैं।

कॉर्नियल क्लाउडिंग, स्कारिंग या डैमेजरेटिनल ओपेसिटी, कॉर्नियल ओपेसिटी या आंखों से जुड़ी गंभीर समस्याआनुवांशिक बीमारियों की वजह से अंधेपन की समस्याशरीर में विटामिन ए की कमीविटामिन डी की कमीगर्भ में भ्रूण का सही से विकास न होने की वजह सेबच्चों में डायबिटीज की समस्या के कारणकॉन्जेनिटल ग्लूकोमा।

संपादकीय

बढ़ेगा आइटी सेक्टर

हमारी अर्थव्यवस्था तथा रोजमर्रा के जीवन के लिए सूचना तकनीक (आइटी) का महत्व बढ़ता जा रहा है. इसी के साथ भारतीय आइटी क्षेत्र का विस्तार भी होता जा रहा है. अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों की तरह इस सेक्टर ने भी 2022 में अच्छा प्रदर्शन किया है. यह कहा जा सकता है कि महामारी के साये से यह क्षेत्र बाहर निकल चुका है. ऐसे में 2023 में इसके विस्तार की संभावना जतायी जा रही है. पिछले वर्ष देश भर में आइटी सेक्टर में 4.50 लाख रोजगार के नये अवसर पैदा हुए हैं. यद्यपि कुछ कंपनियों में छंटनी भी हुई है, पर वैश्विक स्तर पर इस क्षेत्र में जिस हिसाब से लोगों को निकाला गया है, वैसा हमारे देश में नहीं हुआ है. दुनिया की बड़ी कंपनियों में कामगारों को हटाने का सिलसिला अभी थमा नहीं है और माना जा रहा है कि आर्थिक मंदी या सुस्ती की आशंका को देखते हुए छंटनी जारी रहेगी. लेकिन भारत में 2023 के पहले तीन महीने में ही भर्ती की प्रक्रिया रफ्तार पकड़ लेगी. भारत में कम खर्च होने तथा भौगोलिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्थायित्व जैसे कारकों के चलते निवेशक भी आकर्षित हो रहे हैं. कई बड़े शहरों में बहुराष्ट्रीय तकनीकी कंपनियां अपने आधार कार्यालय स्थापित कर रही हैं. कोविड महामारी के बाद से भारतीय कंपनियों को मिलने वाली बहुत सी तकनीकी परियोजनाएं छोटी हैं. आशा जतायी जा रही है कि इस वर्ष बड़ी परियोजनाओं की संख्या बढ़ेगी. यह भी ध्यान में रखा जाना चाहिए कि भारतीय तकनीकी उद्योग वैश्विक तकनीकी आपूर्ति श्रृंखला से गहरे से जुड़ी हुई है. यह आपूर्ति श्रृंखला भी दबाव में है. उसमें सुधार का सीधा फायदा हमारे आइटी क्षेत्र को होगा. आर्थिक वृद्धि दर के संतोषजनक होने से भी उम्मीदें बढ़ी हैं. तकनीकी उद्योग के विश्लेषकों का मानना है कि आइटी क्षेत्र में इस वर्ष लगभग दस लाख लोगों को रोजगार मिल सकता है. ऐसा नहीं है कि इस सेक्टर के सामने चुनौतियां नहीं होंगी, पर महामारी और बाद के अनुभवों के आधार पर कंपनियां संभावित समस्याओं का सामना करने में सक्षम हैं. यह भी उल्लेखनीय है कि समय-समय पर उतार-चढ़ाव आते रहे हैं और दुनिया को नयी आर्थिक वास्तविकताओं के साथ सामंजस्य स्थापित करना होता है. अभी यह कह पाना मुश्किल है कि इस वर्ष अगर वैश्विक अर्थव्यवस्था संकटग्रस्त होती है, तो वह संकट किस स्तर का होगा और उसकी अवधि क्या होगी. पिछले वर्ष टेक सेक्टर कामकाजी संस्कृति को लेकर भी चर्चा में रहा था. वेतन-भत्ते, घर से काम करने, अन्य परियोजनाओं पर काम करने, काम के घंटे आदि को लेकर बहसें हुईं. आशा है कि यह उद्योग अपने मानव संसाधन से जुड़े प्रश्नों को इस वर्ष ठीक से हल करते हुए अग्रसर होगा.

गजब ! ऋषभ पंत की दिवानगी ! जली कार संग सेल्फी ले रहे युवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 जनवरी , एक तरफ रिषभ पंत कार एक्सिडेंट का शिकार होने के बाद देहरादून के मैक्स हॉस्पिटल में ईलाज करा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर फैंस और चाहने वाले उनकी जली हुई दुर्घटनाग्रस्त कार के साथ सेल्फी लेने के लिए बेताब हैं। पंत की यह एक्सिडेंटल कार नारसन पुलिस चौकी में रखी गई है, जिसे देखने के लिए युवाओं की भीड़ उमड़ रही है। युवाओं और खासकर स्टूडेंट्स में जली हुई कार के साथ सेल्फी लेने का क्रेज बढ़ता ही जा रहा है।

मर्सिडीज की हो चुकी बुरी हालत

क्रिकेटर रिषभ पंत की कार दुर्घटना के बाद बुरी तरह जल गई और देखने में कबाड़ जैसी हो गई है। यह कार नारसन पुलिस चौकी में रखी गई है और युवाओं के बीच कार के साथ सेल्फी लेने का क्रेज बढ़ता ही जा रहा है। स्टूडेंट्स नारसन पुलिस चौकी पहुंच रहे हैं और कह रहे हैं कि प्लीज पुलिस अंकल मुझे एक बार रिषभ पंत की मर्सिडीज कार देखनी है। कार के साथ सेल्फी भी लेनी है। पुलिस अंकल प्लीज हमें मना मत कीजिएगा। हम काफी दूर से यह कार देखने के लिए आए हैं। यह नजारा नारसन पुलिस चौकी पर रोजाना देखने को मिल रहा है। दूर-दूर से युवा पुलिस चौकी पहुंच रहे हैं और जली हुई कार के साथ सेल्फी ले रहे हैं।

बीते शुक्रवार को क्रिकेटर रिषभ पंत की कार नारसन पुलिस चौकी क्षेत्र में डिवाइडर से टकरा गई और क्रिकेटर की जान किसी तरह से बच पाई। एक्सिडेंट होने के बाद पंत की मर्सिडीज कार में भीषण आग लग गई और कार पूरी तरह से जल गई थी। घायल पंत को इस वक्त देहरादून के मैक्स हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है और उनका ईलाज चल रहा है। पंत की हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है और उन्हें आईसीयू से निकालकर प्राइवेट वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। हॉस्पिटल में भी पंत के चाहने वाले लगातार पहुंच रहे हैं जिसकी वजह से उन्हें आराम भी नहीं मिल पा रहा है।

सिनेमा हॉल में महंगे फूड पर रोक नहीं : सुप्रीम कोर्ट ने जानिए क्या कहा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 जनवरी , सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए मंगलवार को कहा है कि सिनेमा हॉल मालिक हॉल के अंदर खाने-पीने की चीजों की बिक्री के नियम तय करने के लिए पूरी तरह हकदार हैं। आपको बता दें कि CJI ने कहा, 'सिनेमा देखने वालों के पास इन आइटम को न खरीदने का विकल्प है। कोर्ट ने ये भी दोहराया कि सिनेमाघरों को बिना किसी शुल्क के पेयजल उपलब्ध कराना जारी रखना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू और कश्मीर हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें मल्टीप्लेक्स और मूवी थिएटरों में लोगों को खुद का खाने-पीने का सामान ले जाने की अनुमति दी गई थी। कोर्ट थिएटर

मालिकों और मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से हाईकोर्ट के 2018 के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका के एक बैच पर सुनवाई कर रहा था।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने याचिका पर सुनवाई की। बेंच ने कहा कि सिनेमा हॉल प्राइवेट प्रॉपर्टी है और वह इस तरह के नियम-शर्तें लागू कर सकता है। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई दर्शक सिनेमा हॉल में प्रवेश करता है, तो उसे सिनेमा हॉल के मालिक के नियमों का पालन करना होगा। मल्टीप्लेक्स में खाना बेचना कॉमर्शियल मामला है। BookMyShow ऐप के अनुसार, गुरुग्राम में एंबियंस मॉल और सिटी सेंटर मॉल में, पीवीआर पर पॉपकॉर्न की कीमत स्वाद और टेस्ट के आधार पर लगभग 340-490 रुपए है, जबकि पेप्सी की कीमत लगभग 330-390 है। वहीं बेंगलुरु के फीनिक्स मार्केटसिटी मॉल में पीवीआर में पॉपकॉर्न की कीमत करीब 180-330 रुपए है।

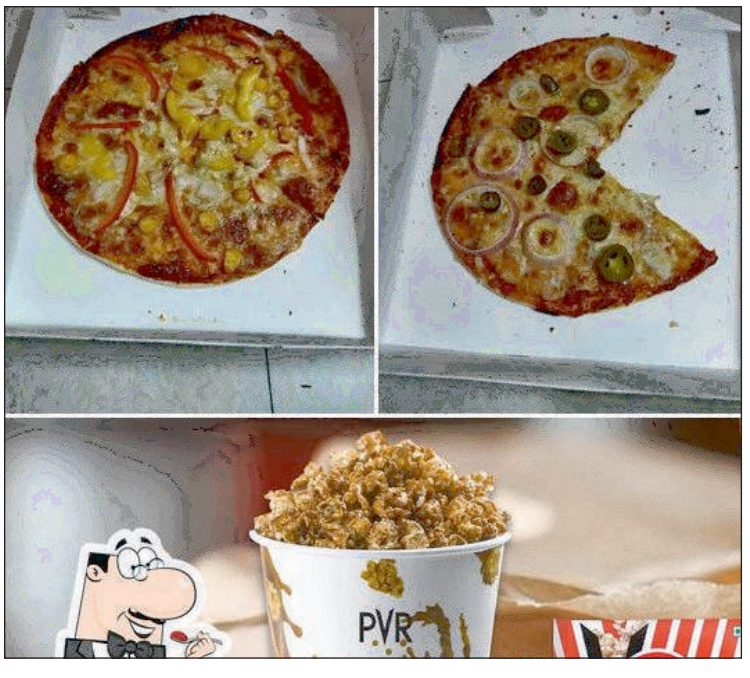

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

ठगों पर SSP श्वेता चौबे की टीम बनी काल पीड़ितों को रकम लौटा कर किया कमाल

कप्तान के निर्देशन में साइबर सेल ने पीड़ितों को लौटायी ₹ 43,700/- की धनराशि

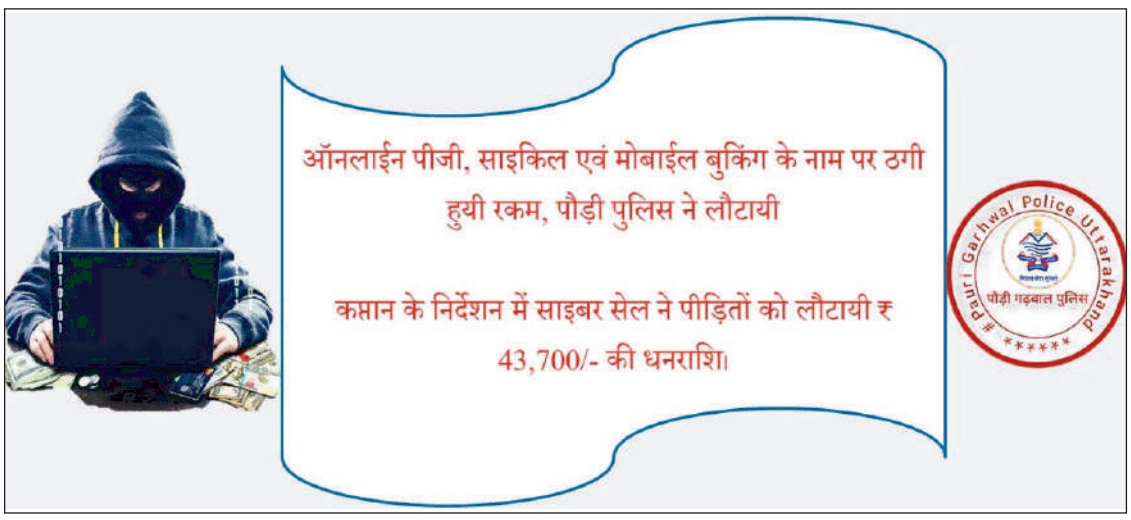

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 4 जनवरी , पुलिस की शार्प कार्यवाही और कानून की तेज़ी देखनी है तो पौड़ी पुलिस की शानदार टीम के कामकाज को देख , सुन और समझ लीजिये। अपना पैसा और मेहनत की जमापूंजी जब किसी की लूट ली जाय और वो मायूस होकर फ़रियाद करने थाने पहुंचता है। हांलाकि ऐसा कम ही होता है जब फरियादी पीड़ित को उम्मीद होती है कि अपराधियों पर सख्त कार्यवाही होगी और उसे ठगी के ज़रिये लूटी गयी जमापूंजी वापस मिल जाएगी। लेकिन जनाब यहीं तो आप गलत सोच रहे हैं। उत्तराखंड की पुलिस को यूँ ही मित्र पुलिस नहीं कहा जाता है। यहाँ कई ऐसे अफसर हैं जो अपराधियों के लिए किसी बुरे ख्वाब से कम नहीं है। ऐसी ही एक अनुभवी लेडी कॉप हैं आईपीएस श्वेता चौबेर , जब जहां पोस्टिंग पर जाती है जनता के बीच भरोसा और क्रिमिनल्स के बीच खौफ बन जाती है। आजकल पौड़ी में अपराधियों की नींद उड़ी हुई है क्योंकि जिस तरह से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल, श्वेता चौबे द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए गठित साइबर सेल अलर्ट और एक्टिव मोड में पॉजिटिव रिजल्ट्स दे रहा है वो लोगों के मन में भरोसा और भी मजबूत कर रहा है।

दरअसल एसएसपी चौबे ने साफ कह दिया है कि जनपद में साइबर फ्रॉड सम्बन्धी किसी भी शिकायत पर तेज़ी से कार्यवाही की जाये और क्रिमिनल्स को पकड़ा जाए । इसी कड़ी में एक और बेहतरीन पुलिस अफसर का जिक्र ज़रूरी हो जाता है और वो हैं अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार शेखर चन्द सुयाल, जिनके निर्देशन, और विभव सैनी, पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन के पर्यवेक्षण में साइबर सेल द्वारा तत्परता से कार्य करते हुए साइबर ठगी का शिकार हुए लोगों के खातों में धनराशि वापस कराए जाने एवं आम जनमानस को साइबर अपराध से सुरक्षा हेतु लगातार जागरूक करते हुए अभियान चलाया जा रहा है। इसी जन जागरूकता अभियान और कार्यवाही के अंतर्गत बड़ी कामयाबी भी मिल रही है , जो स्थानीय नागरिकों को राहत पहुंचा रही है।

Case 1

दिनांक- 17.09.2022 को आवेदक संदीप बिष्ट निवासी बालासौड, कोटद्वार, पौडी गढवाल द्वारा शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसमें उनके द्वारा अंकित किया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आवेदक को ऑनलाईन पीजी बुकिंग के नाम से ₹ 18,020/- की ऑनलाइन ठगी की गयी है। साइबर सेल द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये सम्बन्धित पैमेन्ट गेटवे /बैंक नोडल से पत्राचार कर आवेदक के खाते से कटी ₹ 18,000/- की धनराशि आवेदक के खाते में वापस करायी गयी, जो कि आवेदक के खाते में प्राप्त हो चुकी है।

Case 2

दिनांक- 11.11.2022 को आवेदक शुभम मैन्दोली, निवासी शिवपुर, कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल द्वारा शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आवेदक को ऑनलाईन साईकिल ऑडर करने के नाम पर ₹ 13,000/- की धनराशि की ऑनलाइन ठगी की गयी है। साइबर सेल द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये सम्बन्धित पैमेन्ट गेटवे/बैंक नोडल से पत्राचार कर आवेदक के खाते से कटी ₹ 13,000/- की सम्पूर्ण धनराशि को आवेदक के खाते में वापस करायी गयी, जो कि आवेदक के खाते में प्राप्त हो चुकी है।

Case 3

दिनांक- 01.12.2022 को आवेदक ऋषि रावत निवासी निम्बूचौड, कोटद्वार , जनपद पौड़ी गढ़वाल द्वारा एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा ऑनलाईन मोबाईल बुकिंग के नाम पर ₹ 12,700/- की ऑनलाइन ठगी की गयी है । साइबर सेल द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये सम्बन्धित पैमेन्ट गेटवे/बैंक नोडल से पत्राचार कर आवेदिका के खाते से कटी ₹ 12,700/- की सम्पूर्ण धनराशि को आवेदिका के खाते में वापस करायी गयी। जो कि आवेदिका के खाते में प्राप्त हो चुकी है ।

आपसे भी एसएसपी श्वेता चौबे की बेहद ख़ास अपील है ज़रूर याद रखें -

- किसी अज्ञात व्यक्ति के कॉल और मैसेज से सावधान रहें।
- किसी को भी अपना Password, OTP, CVV शेयर ना करें।
- अन्जान लिंक, ऑनलाइन जॉब्स ऑफर से सम्बन्धित लिंक पर क्लिक ना करें।
- अन्जान QR Code स्कैन ना करें।
- जागरूक बनें एवं अन्य व्यक्तियों को भी जागरूक करें।
- यदि कोई भी व्यक्ति ठगी का शिकार होता है तो तत्काल नजदीकी थाना एवं साईबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दें।

कोल्ड और सब वेरिएंट बीएफ7 में कन्फ्यूज़न कीजिये दूर, समझिये क्या है अंतर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 जनवरी , चीन समेत दुनिया के कई देशों में कोरोना वायरस का नया सब वेरिएंट बीएफ7 ने कहर मचाया हुआ है। कोरोना के नए सब वेरिएंट बीएफ 7 की वजह से चीन, जापान जैसे देशों में कई लोगों की मौत हो चुकी है। आशंका जताई जा रही है कि कोरोना का सब वेरिएंट भारत में भी कहर मचा सकता है। इसके लिए केंद्र सरकार ने राज्य सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गाइडलाइन भी जारी कर दी गई है। सर्दियों के मौसम में जब भारत में लोगों को सर्दी, खांसी, जुकाम और बुखार जैसी समस्या हो रही है लोगों के अंदर एक डर देखने को मिल रहा है।

ठंड के मौसम में लोगों का सबसे बड़ा कंफ्यूजन यही है कि उन्हें सामान्य फ्लू या वायरल हुआ है या उन्हें कोरोना जैसी महामारी के एक बार फिर पकड़ लिया है। बीएफ.7 कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट का सबवेरिएंट है, इसलिए इसके लक्षण भी ओमिक्रॉन से काफी मिलते-जुलते हैं। लोगों के मन से कोरोना के डर को कम करने और कोरोना के ओमिक्रॉन बीएफ.7 व आम कोल्ड में अंतर को कैसे घर पर ही पहचाना जा सकता है,

बीएफ.7 के लक्षण क्या है ?

ओमिक्रॉन के इस नए वेरिएंट के लक्षण कोविड के बाकी लक्षणों से काफी मिलते जुलते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार बीएफ.7 के लक्षणों में सर्दी, खांसी, गले में दर्द, गले में खराश, थकान, कमजोरी, डायरिया शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक ओमिक्रॉन का सब वेरिएंट बीएफ.7 में निचला श्वसन तंत्र में भी संक्रमण के लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

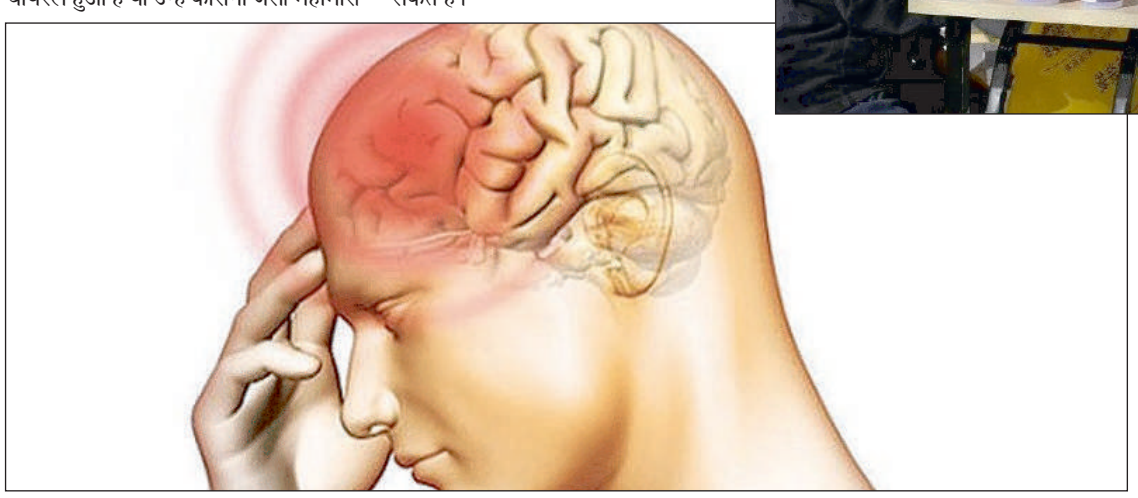

आम कोल्ड के लक्षण क्या हैं ?

किसी व्यक्ति को अगर कोल्ड और फ्लू है तो इसमें कफ होना बहुत ही सामान्य बात मानी जाती है। फ्लू आमतौर पर सर्द हवाओं के संपर्क में आने से, ठंड में पर्याप्त में कपड़े पहनने की वजह से होता है। आम कोल्ड और फ्लू मे मांसपेशियों में दर्द, ठंड लगना, सिरदर्द, थकान, नाक बहना जैसे लक्षण देखे जाते हैं।

कैसे पहचानें किस वायरस की चपेट में हैं आप ?

अगर किसी व्यक्ति में मांसपेशियों में दर्द, ठंड लगना, सिरदर्द, थकान, नाक बहना जैसे लक्षण एक से 2 दिन तक दिखाई देते हैं और आम दवाओं से ठीक हो जाते हैं तो ये कोल्ड माना जाएगा। लेकिन किसी व्यक्ति में सर्दी-खांसी, थकान, मांसपेशियों में दर्द के साथ लूज मोशन और बुखार जैसे लक्षण दिखाई देते हैं और ये 5 दिन से ज्यादा तक रहते हैं तो ये कोरोना के ओमिक्रॉन का सब वेरिएंट बीएफ.7 हो सकता है। इस स्थिति में आपको तुरंत कोरोना का टेस्ट करवाना चाहिए और क्वारंटीन में रहना चाहिए।